विचार प्रवाह

सोच को बदलो ज़िंदगी बदल जाएगी

सोच को बदलो सितारे बदल जाएंगे।

नज़र के बदलो नज़ारे बदल जाएंगे॥

कश्तियाँ बदलने की कोई जरुरत नहीं ।

दिशाओं को बदलो किनारे बदल जायेंगे॥

सोच को बदला और अपनी तक़दीर बदल लो।यह कहावत सच है कि अच्छी सोच तक़दीर बदल सकती है। अगर हम सकारात्मक और आशावादी सोच रखते हैं, तो हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारी सोच हमारे कार्यों और निर्णयों को प्रभावित करती है, जो अंततः हमारे जीवन को आकार देते हैं।नकारात्मक सोच को त्यागें। नकारात्मकता हमें आगे बढ़ने से रोकती है और हमारी तक़दीर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। नकारात्मक विचारों को सकारात्मक विचारों से बदलें। लक्ष्य निर्धारित करें–। यदि आपके पास लक्ष्य हैं, तो आप उनकी ओर बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

सकारात्मक रहें–सकारात्मक सोच हमें मुश्किलों से पार पाने और चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है। सकारात्मक दृष्टिकोण हमें सफलता की ओर ले जाता है। मजबूत इच्छाशक्ति रखें–यदि आपके पास दृढ़ इच्छाशक्ति है, तो आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। सकारात्मक लोगों के साथ रहें– सकारात्मक लोगों के साथ रहने से आपकी सोच और दृष्टिकोण सकारात्मक होते हैं। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखें। इन तरीकों का पालन करके, आप अपनी सोच को सकारात्मक बना सकते हैं और अपनी तक़दीर बदल सकते हैं। सोच बदलो, जिंदगी बदल जाएगी÷ का अर्थ है कि अगर आप अपनी सोच बदल देते हैं, तो आपकी जिंदगी भी बदल जाएगी। यह एक प्रेरणादायक वाक्यांश है जो हमें अपनी सोच को सकारात्मक और प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित करता है।

सकारात्मक सोच जीवन में सफलता, खुशी और संतुष्टि लाने में मदद करती है। जब आप सकारात्मक होते हैं, तो आप जीवन के प्रति अधिक आशावादी और खुश रहते हैं।सकारात्मक सोच आपको जीवन में अधिक संतुष्ट और खुश महसूस करने में मदद करती है।सकारात्मक सोच आपको दूसरों के साथ बेहतर संबंध बनाने में मदद करती है।जब आप सकारात्मक होते हैं, तो आप अपने आप पर अधिक विश्वास करते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक प्रेरित होते हैं। अपने दिमाग में नकारात्मक विचारों को दूर करने और सकारात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने का अभ्यास करें। सोच बदलो, जिंदगी बदल जाएगी÷ एक शक्तिशाली वाक्यांश है जो हमें अपनी सोच को बदलने और एक बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

सकारात्मक सोच जीवन में सफलता, खुशी और संतुष्टि लाने में मदद करती है। इस छोटी सी ज़िंदगी में ख्वाहिशें बहूत है। जुर्म पता नहीं पर इल्ज़ाम बहुत है ।हज़ारों वर्षों से लोग एक बहुत आम सवाल पूछते आ रहे हैं कि क्या हमारी क़िस्मत यानि भाग्य पहले से तय है या हम इसे बदल सकते हैं? हम अपने भाग्य को केवल मात्र अपनी अच्छी सोच से ही बदल सकते हैं ।जब भी हम अपने जीवन में किसी कठिन परिस्थिति का सामना करते हैं, तो हम अक्सर सोचते हैं कि क्या यह हमारे पिछले जन्म के कर्मों का परिणाम है? और हम यह भी सोचते हैं कि क्या हमारे पिछले जन्मों के इन नकारात्मक कर्मों का प्रभाव को हमारे वर्तमान जीवन पर न पड़ने से रोका जा सकता है? तो, हमें क्या करना चाहिए और कहां से शुरू करना चाहिए? इसके लिए सबसे पहले हमें अपने विचार को बदलना पड़ेगा और अपनी सोच को बदलना पड़ेगा ।

सबसे पहले, हमें बहुत गहराई से समझने की आवश्यकता है कि सभी मनुष्यों ने अपने अलग-अलग जन्मों में कुछ नकारात्मक कर्म और साथ ही साथ कुछ सकारात्मक कर्म भी किए हैं। लेकिन एक बहुत महत्वपूर्ण बिंदु है कि कुछ आत्माओं ने कम ग़लत कर्म किए हैं, और कुछ ने अधिक किए हैं। तो, इसके परिणामस्वरूप, आज दुनिया में हर कोई अपने जीवन में किसी न किसी नकारात्मक परिस्थिति का सामना कर रहा है।

दुनिया में एक सामान्य धारणा है कि भगवान हमारा भाग्य बनाते हैं और हमारे जीवन में जो भी कुछ अच्छा या बुरा होता है वो भगवान द्वारा तय किया जाता है। लेकिन भगवान द्वारा दी गई आध्यात्मिक समझ के अनुसार, यह एक सही धारणा नहीं है। वे हमारे जीवन की परिस्थितियों का निर्णय नहीं करते हैं। जब भी हमारे जीवन में कुछ अच्छा होता है, तो यह हमेशा हमारे पिछले अच्छे कर्मों का परिणाम होता है, साथ ही साथ कुछ विशेष परिस्थितियों में परमात्मा की मदद होती है, लेकिन सभी में नहीं।

दूसरी ओर, जब भी हमारे जीवन में कुछ नकारात्मक होता है, तो यह केवल हमारे पिछले गलत कर्मों का परिणाम होता है। परमात्मा हमें हमारे नकारात्मक कर्मों के लिए दंडित नहीं करते हैं। इसके लिए हमें अच्छी सोच रखनी चाहिए। जिसकी सोच अच्छी है, जिसके विचार अच्छे हैं, उसकी तक़दीर भी अच्छी है। जितनी ज्यादा बड़ी आपकी सोच होगी, जीवन में आपको कामयाबी भी उतनी ही बड़ी मिलेगी।

ऊषा शुक्ला
इफ़को आँवला बरेली यूपी

मऊ से नर्मदा स्नान करने आए श्रद्धालुओं की जान बचाई

ओंकारेश्वर - (नि प्र) ओंकारेश्वर के गोमुख घाट पर मऊ से आए श्रद्धालु परिवार सहित नर्मदा स्नान के दौरान डूबने लगे रविंद्र शर्मा का जो परिवार स्नान करते समय गहरे पानी में डूबते डूबते नाविको द्वारा एवं नगर सेनिको ने बचाई जान रविंद्र शर्मा मऊ की जान उल्लेखनीय की तीर्थ नगर ओंकारेश्वर में इन दिनों नर्मदा स्नान करने के लिए बड़ी संख्या भक्त आ रहे हैं नर्मदा नदी में पानी कम होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है।

जीवात्मा- परमात्मा के अद्भुत मिलन का नाम है महारास - कथावाचक डॉ. पाराशर

खरगोन। समीपी ग्राम टेमला में श्रीकृष्ण चैतन्य संकीर्तन समिति के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मनाए जा रहे स्वर्ण जयंती उत्सव के निमित्त आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के छंठे दिन अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक डॉ. श्याम सुंदर पाराशर ने गोवर्धन लीला महारास कंस वध और रुकमणी विवाह प्रसंग का मनोहारी वर्णन सुमधुर भजनों के साथ किया जिसका श्रवण कर श्रोता भावविभोर हो उठे।

डॉ. पाराशर ने पंच अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाए जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं। जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है । वह भव पार हो जाता है। उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है।

उन्होंने कहा श्रीकृष्ण अवतार में जहां श्री हरि ने भक्ति ज्ञान वैराग्य का पाठ पढ़ाया तो वही आताताथियों का अंत करते हुए देवताओं के अहंकार का भी नाश किया। रासलीला भी उसी श्रेष्ठतम लीला का हिस्सा है । जिसमें उन्होंने काम का अभिमान मिटाया था जहां काम से उपर उठकर हजारों गोपियों के साथ भगवान ने महारास रचाया । जो जीव और परमात्मा का मिलन है। इस कथा में कामदेव ने भगवान पर खुले मैदान में अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ आक्रमण किया है लेकिन वह भगवान को पराजित नही कर पाया उसे ही परास्त होना पड़ा है। यह काम को बढ़ाने की नहीं काम पर विजय प्राप्त करने की कथा है। जिसमें काम को भस्म करने वाले देवादिदेव महादेव भी गोपी बनकर शामिल हुए थे।

एक ऊंगली पर धारण किया गोवर्धन

गोवर्धन लीला प्रसंग सुनाते हुए कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उसका गर्व दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू करा दी। इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रजमंडल पर भारी बरसात कराई। प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान ने कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की झांकी सजाई गई।

सब पापों की कालिमा को साफ करने वाला है हरि कथा अमृत

व्यास ने भगवान को न पाकर गोपियां जब विरह में बिलख रही थी तब भगवान प्रकट हुए। उन्होंने कहा कि तुम सब सच्चा प्रेम नही करती सच्चा प्रेम राजा दशरथ का था जो राम के विरह में प्राण त्याग गए। तब गोपियों ने कहा हम भी दम तोड़ देते लेकिन हमने अमृत पी रखा है श्रीकृष्ण ने पूछा कौन सा अमृत कब पिया तो गोपियों ने कहा हमने श्रीकृष्ण की कथामृत पी रखा है जो हमें प्राण नही छोड़ने देता। व्यासजी कहते है श्री हरि कथा अनंत है इसे सुनने से पाप की कालिमा साफ हो जाती है यह वह अमृत है जिसे युगो- युगो तक पीने के बाद भी खत्म नही होगा।

कथा के छंठे दिन गोवर्धन लीला, महारास और रुकमणी विवाह प्रसंग के साक्षी बने श्रोता

केंद्रिय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने भी किया कथा श्रवण

जवानी अंधी और बुढ़ापा लंगडा

डॉ. पाराशर ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक गांव में आग लगने पर एक अंधा और एक लंगड़ा वहां से निकल नही पाते तब लंगड़े ने अंधे को बुलाया और उसके कंधे पर सवार होकर रास्ता बताते हुए दोनो आग से निकल गए। ऐसा ही युवावस्था और वृद्धावस्था है।

युवावस्था जोश में होश खोने वाली होती है ।जबकि वृद्धावस्था अनुभव होता है। इसलिए युवा और वृद्ध मिलकर काम करते है तो जोश और अनुभव से किया काम बड़ी से बड़ी कठिनाई का हल निकलकर सफलता कदम चुमती है।

केंद्रिय राज्यमंत्री ने भी किया कथा श्रवण

कथा के छंठे दिन केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर सांसद गजेन्द्र पटेल जिला अध्यक्ष नंदा ब्राह्मने अजय यादव छाया मोरे विधायक पंधाना केदार डावर विधायक भगवानपुरा सुभाष पटेल पूर्व सांसद आत्माराम पटेल पूर्व विधायक हितेंद्र सोलंकी पूर्व विधायक डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा कलेक्टर भव्या मित्तल एसपी धर्मराज मीना एएसपी नरेंद्र रावत राजेंद्र यादव पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष परसराम चौहान ओम सोनी पूर्व जिला अध्यक्ष बड़वानी ने भी कथा श्रवण लाभ लिया।

बर्षो बाद मिली निजात ...

कलेक्टर के निर्देश के बाद साप्ताहिक बाजार लगा मण्डी परिसर में, व्यापारी खुश

करही अभिषेक पटेल। नगर की वर्षो पुरानी समस्या को नगर के जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर महोदया से मुख्य समस्याओं से रूबरू कराया ।जिसमे खरगौन कलेक्टर भव्या मित्तल ने तत्काल प्रभाव से एसडीएम अनिल जैन, तहसीलदार पंकज जाट और सीएमओ संजय रावल को मण्डी परिसर में साप्ताहिक बाजार लगाने के निर्देश दिये।

नगर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में मूल रूप से ट्रैफिक व्यवस्था बड़ी चुनोती थी।साप्ताहिक बाजार वाली सड़क पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होने से गर्भवती महिला, गम्भीर घायल को उपचार हेतु जब एम्बुलेंस लाती है तब काफी मशक्कत के बाद अस्पताल पहुँचती है।वही मुख्य सड़क पर घण्टो जाम की स्थिति बनी रहती है।

व्यपारियो और ग्राहकों को मिलेगी सुविधा ...

लम्बे समय से साप्ताहिक बाजार शिफ्टिंग को लेकर मंथन चल रहा था।

गत दिनों कलेक्टर मेडम के दौरे में यह समस्या भी हमने रखी थी।

रविवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार मण्डी में लगने से व्यपारियो और क्षेत्र के ग्रामीणों को साप्ताहिक बाजार में सुविधा रहेगी।

नन्दकिशोर खेड़ेकर
अध्यक्ष नप करही पाडल्या

यातायात में होगी सुगमता ..

कलेक्टर मेडम से आग्रह के दौरान मण्डी में सुसज्जित बाजार लगने से बाधित यातायात में सुगमता मिलेगी।

नगरवासियों की वर्षो पुरानी समस्या से निजात मिलने पर कलेक्टर मेडम का बहुत आभार व्यक्त करते है।

राजेश डोसी
लोकनिर्माण समिति
अध्यक्ष नप करही

गत दिनों जब नगर का भृमण मेरे द्वारा किया गया था।तब स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा मूल समस्याओं से अवगत कराया था। जिसमे नगर में लगने वाला साप्ताहिक बाजार मुख्य सड़क पर लगने से जाम की स्थिति बनती थी। इसलिए साप्ताहिक बाजार को मण्डी परिषर में शिफ्ट किया गया है।

भव्या मित्तल
खरगौन कलेक्टर

निरंतर दो नेत्रदान 714 व 715 वां उज्जैन में अग्रवाल और रतलाम में पिरोदिया का सम्पन्न

बड़नगर । जवाहर डोसी पीयूष। गीता भवन न्यास समिति बड़नगर द्वारा 714 वां नेत्रदान दि.10/05/ 2025 शनिवार सायं 6:17 मिनट पर स्व.श्रीमान मधुसुदन पिता श्रीमान राधेश्याम अग्रवाल उम्र 47 वर्ष 26/1 नारायण अपार्टमेन्ट सखीप्रिय उज्जैन का स्वर्गवास होने पर पुत्री कु.तानिया अग्रवाल व परिजन की स्वप्रेरणा से जेठानन्द जयसिंघानी मुस्कान ग्रुप उज्जैन को सूचित किया।

द्वितीय 715 वां नेत्रदान दि. 11/05/2025 रविवार प्रातः 1:45 मिनट पर स्व.श्रीमान हीरालाल पिता स्व. श्रीमान सुगनचन्द्र पिरोदिया (जैन) उम्र 72 वर्ष, 173 लक्कड़ पीठा,रतलाम का स्वर्गवास होने पर पुत्र सुबोध पिरोदिया (जैन) व परिजन की स्वप्रेरणा से हेमन्त मुणत नेत्रम संस्था,रतलाम को सूचित करने पर नेत्रदान देहदान प्रभारी डॉ. जी.एल.ददरवाल को सूचित किया। सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी अपनी टीम मनीष तलाच, चंचल पाटीदार, मोहनलाल राठौर गीता भवन को साथ लेकर संजीव गंगवाल टोनी लायन्स क्लब क्लासिक उज्जैन, ओमप्रकाश अग्रवाल,भगवान ढलवानी, शीतल भंसाली, शलभ अग्रवाल, मीनू माथुर, गोविन्द काकानी नेत्रम संस्था रतलाम के सहयोग से सफल नेत्रदान करवाया गया। संस्था अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाणी ने कृतज्ञता प्रकट करते हुए नेत्रदानी द्वय परिवार को धन्यवाद व्यक्त किया।

आज ग्राम बोचका में बिना दहेज, बिना डीजे, बिना दारू की शादी में सम्मिलित होकर पुलिस अधीक्षक ने दिया गया वर-वधू को आशीर्वाद

झाबुआ। झाबुआ जिले में पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एक प्रभावी नवाचार प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बिना दहेज, बिना डीजे और बिना दारू के होने वाली शादियों में स्वयं उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद देते हैं और समाज को एक सकारात्मक संदेश देते आये दिन नजर आते हैं। झाबुआ पुलिस द्वारा विगत 10 माह से जिले में विवाह समारोहों में दहेज, डीजे और दारू के उपयोग के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। झाबुआ पुलिस की इस अभिनव पहल से प्रेरित होकर गलू डिंडोड़ निवासी बोचका थाना कालीदेवी द्वारा अपनी पुत्री दुर्गा डिंडोड़ का विवाह बिना दहेज

दापा, बिना डीजे, बिना दारू के करने का संकल्प लिया जिसमें श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय को आमंत्रित किया। दिनांक 11 को पुलिस अधीक्षक द्वारा विवाह समारोह में शामिल होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं व वर वधू को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को भी प्रेरित किया कि वे सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने हेतु इस प्रकार के नवाचारों को अपनाएं और विवाह जैसे पवित्र बंधन को सादगी से संपन्न करें। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल, डीएसपी गिरीश कुमार जेजुरकर, उनि सुनीता चौहान थाना कालीदेवी, रक्षा सखी टीम, पत्रकार बंधु कर्मचारी उपस्थित रहे।

इधर युद्ध स्तर पर आंतरिक सुरक्षा एवं नागरिक सुरक्षा की जमावट

खरगोन। राष्ट्रीय परिस्थितियों और देश के वर्तमान परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए खरगोन जिले में आंतरिक सुरक्षा एवं नागरिक सुरक्षा को लेकर शनिवार को कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। दोनो मुख्य अधिकारियों ने देश के वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए भविष्य में आपातकालीन स्थिति में आंतरिक एवं नागरिक सुरक्षा के सभी इंतजाम को लेकर जमावट की ओर निर्देश दिए।

उधर युद्ध विराम की ओर

कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल एवं एसपी धर्मराज मीना द्वारा आवश्यक सभी तैयारियां के निर्देश दिए

अधिकारियों ने सिविल डिफेंस प्लान तैयार करने के निर्देश दिये गये। आपात स्थिति के लिए नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर वालिंटियर्स की नियुक्ति कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये गये। इस दौरान बताया गया कि जिले की जनसंख्या के हिसाब से जिले में 25 हजार वालिंटियर्स की आवश्यकता है। सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के लिए सेवानिवृत्त फौजी से लेकर वन समिति तक के लोगों को शामिल करने के निर्देश दिए।

अस्पतालों में आवश्यक तैयारियां

अस्पतालों में आपात कालीन स्थिति के अंतर्गत विशेष रूप से व्यवस्था करने कहा गया जिसमें

अस्पतालों में आपातकालीन दवाईयों की समुचित व्यवस्था रखने बर्न यूनिट में आवश्यक दवाईया एवं उपकरण उपलब्ध रखने ब्लड बैंक की पर्याप्त व्यवस्था रखने एवं एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध रखने के निर्देश दिये गये। इसके लिए निजी अस्पतालों से भी समन्वय बनाकर रखने कहा गया। अस्पतालों में 24 घंटे उपचार की सुविधा उपलब्ध रखने के निर्देश दिये गये।

सोशल मीडिया में भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट करने पर होगी सख्त कार्यवाही एडमिन होगा जिम्मेदार

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल एवं एसपी धर्मराज मीना ने सोशल मीडिया व्हाट्स एप फेसबुक एवं अन्य प्लेटफार्म पर आपसी वैमनस्यता फैलाने वालेद्य समाज की शांति भंग करने आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जो कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया व्हाट्सएप फेसबुक क्यों अन्य प्लेटफार्म पर समाज की शांति भंग करने वाले आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

यदि किसी व्हाट्सएप ग्रुप पर ऐसी पोस्ट की जाएगी तो इसके लिए ग्रुप एडमिन को भी जिम्मेदार माना जाएगा और उसके विरुद्ध भी कार्यवाही की जाएगी।

एसपी धर्मराज मीना के निर्देश पर समस्त थानों से सोशल मीडिया पर पुलिस द्वारा आमजन से अपील की ।खरगोन थाना प्रभारी बीएल मंडलोई ने भी समस्त सोशल मीडिया पर पुलिस द्वारा जारी निर्देशों को बताया।

अधिकारी व कर्मचारियों के अवकाशों पर लगाया प्रतिबंध

वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हए राज्य शासन के निर्देश के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने आवश्यक नागरिक सेवाओं से जुड़े 13 विभागों के समस्त शासकीय सेवकों के सभी प्रकार के अवकाश पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है।

3 हजार से अधिक की आबादी वाली पंचायत में अनाउंसमेंट सिस्टम की व्यवस्था करने के निर्देश

कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह ने जिले की सभी 09 जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 3000 से अधिक की आबादी वाली पंचायतों में अनाउंसमेंट सिस्टम की व्यवस्था शीघ्रता से करें। ग्राम पंचायतों में ग्रामवार कम्युनिकेशन प्लान की सूची तैयार करने बलवा ड्रील उपकरण की उपलब्धता प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर करने पब्लिक अनाउसमेंट सिस्टम मुनादी कराने के लिए उपलब्ध रखने तथा डिजास्टर केयर कीट सभी के पास अनिवार्यत उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं ।